कार्यालय प्राचार्य
शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय,दुर्ग (छ.ग.)
{पूर्वनामः शासकीय कला एवं विज्ञान महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)}
नैक ग्रेड–ए, सी.पी.ई.–फेस–3, डी.बी.टी.–स्टार कालेज
फोन नं. 0788.2211688, फैक्स नं. 0788.2212030
Website: www.govtsciencecollegedurg.ac.in

दिनांक 16.11.2016

प्रेस विज्ञप्ति

साईंस कालेज दुर्ग में भूतपूर्व विद्यार्थियों का सम्मेलन आयोजित

भूतपूर्व विद्यार्थी महाविद्यालय की गुणवत्ता के वास्तविक परिचायक– डॉ. राजपूत

किसी भी महाविद्यालय की गुणवत्ता के परिचायक वहां के भूतपूर्व विद्यार्थी होते है। महाविद्यालय की उपलब्धियां एवं विभिन्न क्षेत्रों में सफलता की विकास यात्रा में भूतपूर्व विद्यार्थियों की अहम भूमिका होती है। ये उद्‌गार शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय,दुर्ग के प्राचार्य डॉ. एस.के. राजपूत ने आज महाविद्यालय के स्वामी विवेकानंद ऑडियो विजुअल हॉल में व्यक्त किये। डॉ. राजपूत आज महाविद्यालय में आयोजित भूतपूर्व विद्यार्थियों की बैठक में अपना संबोधन कर रहे थे। बड़ी संख्या में उपस्थित भूतपूर्व छात्र–छात्राओं को संबोधित करते हुए डॉ. राजपूत ने आव्हान किया कि महाविद्यालय के सर्वोगीण विकास हेतु भूतपूर्व विद्यार्थी अपने रचनात्मक सुझाव देने के साथ–साथ हमारी कमियों की तरफ भी ध्यान आकर्षित करें, जिससे समय अनुसार उन कमियों को छात्रहित में दूर किया जा सके। महाविद्यालय के भूतपूर्व छात्र एवं समाजशास्त्र के विभागाध्यक्ष डॉ. राजेन्द्र चौबे ने अपने संबोधन में महाविद्यालयीन छात्र जीवन का स्मरण करते हुए जानकारी दी कि विगत दो दशको में महाविद्यालय ने अभूतपूर्व उपलब्धियां हासिल की है। मुख्यमंत्री पंचमुखी योजना में गतवर्ष तामस्कर महाविद्यालय द्वारा पूरे छत्तीसगढ़ प्रदेश में सर्वाधिक अंक अर्जित कर प्रथम स्थान प्राप्त करने की जानकारी डॉ. राजेन्द्र चौबे द्वारा दिए जाने पर ऑडियो विजुअल हॉल में भूतपूर्व विद्यार्थियों द्व ारा देर तक तालियां बजती रहीं। महाविद्यालय आईक्यूएसी के सदस्य डॉ. प्रशांत श्रीवास्तव ने भूतपूर्व छात्रों की बैठक की प्रासंगिकता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि नैक मूल्यांकन के दौरान भूतपूर्व विद्य ार्थियों द्वारा दिए गए फीडबैक का विशेष महत्व होता है। डॉ. श्रीवास्तव ने विगत वर्षों में महाविद्यालय द्व ारा अर्जित उपलब्धियों की जानकारी भूतपूर्व विद्यार्थियों को दी। अर्थशास्त्र के प्राध्यापक डॉ. लक्ष्मीकांत भारती ने भूतपूर्व विद्यार्थियों की तरफ से महाविद्यालय के प्राचार्य को आश्वासन दिया कि महाविद्यालय के विकास की हर गतिविधि में भूतपूर्व विद्यार्थी उनके साथ सहयोग करेगें। डॉ. भारती ने यह भी जानकारी दी कि शीघ्र महाविद्यालय परिसर में एक वृहद ऑडिटोरियम निर्मित होने जा रहा है, जिसका लाभ समूचे दुर्ग शहर को मिलेगा। अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए भूतपूर्व विद्यार्थी डॉ. अनिता शंकर ने महाविद्यालय की उपलब्धियों एवं विकास यात्रा को छत्तीसगढ़ उच्चशिक्षा विभाग के लिए मील का पत्थर निरूपित किया तथा महाविद्यालय ऑडिटोरियम का लाभ न्यूनतम शुल्क पर ज्यादा से ज्यादा

लोगों को उपलब्ध कराने की अपील की। एक अन्य भूतपूर्व छात्रा अंग्रेंजी की प्राध्यापक डॉ. शीला विजय ने अपने संबोधन में महाविद्यालय में उपडाकघर की स्थापना, बैंक का विस्तार पटल खोले जाने तथा प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र की स्थापना पर बल दिया। डॉ. शीला विजय द्वारा प्रस्तुत गीत "तू जहां जहां चलेगा....." की सभी लोगों ने जमकर तारीफ की। कन्या महाविद्यालय की प्राध्यापक डॉ. साधना पारेख ने अपने छात्र जीवन की याद करते हुए महाविद्यालय के विकास हेतु अनेक सुझाव दिये । बी.आई.टी के प्रोफेसर संतोष सार ने महाविद्यालय में अर्जित शिक्षा को अपने सम्पूर्ण जीवन की सफलता का मूलमंत्र बताया। डॉ. सार ने महाविद्यालय परिवार की विशेषताओं को रेखांकित करते हुए इसे अन्य महाविद्यालयों हेतु अनुकरणीय बताया। बी.आई.टी के गणित के प्राध्यापक डॉ. निर्मल कुमार सिंह ने महाविद्यालयीन जीवन को टर्निंग प्वाइंट बताते हुए सावधानीपूर्वक शिक्षा ग्रहण करने का आग्रह किया। छात्र नेता डामेन्द्र परगनिहा ने अपने संबोधन में महाविद्यालय को शिक्षा का मंदिर एवं जीवन की सफलता का प्रथम सोपान निरूपित करते हुए इसके विकास में हर संभव योगदान का आश्वासन दिया। श्री परगनिहा ने महाविद्यालय की छात्राओं की सुरक्षा हेतु प्रवेश द्वार के समीप महिला पुलिस बल की सदैव उपलब्धता रहने पर बल दिया। चाटर्ड एकाउंटेंट श्री संजय खांडवे ने छात्रजीवन की उपलब्धियों को जीवन की सफलता हेतु आवश्यक बताया तथा भविष्य में एलूमनी एसोसिएशन द्वारा विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाने की जानकारी भी दी। कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन हिन्दी के प्राध्यापक डॉ. अभिनेष सुराना ने किया। आईक्यूएसी की सदस्य डॉ. प्रज्ञा कुलकर्णी ने मानव संसाधन विकास मंत्रालय की योजना एनआईआरएफ संबंधी जानकारी भूतपूर्व विद्यार्थियों को देते हुए उनसे वांछित जानकारी उपलब्ध कराने का आव्हान किया।

भूतपूर्व छात्रों के इस बैठक के आयोजन में महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ. अनिल कश्यप, डॉ. सुकुमार चटर्जी, डॉ. अनुपमा अस्थाना, डॉ. जगजीत कौर सलूजा, डॉ. प्रज्ञा कुलकर्णी, डॉ. अरविन्द शुक्ला, डॉ. एम.ए. सिद्दीकी, डॉ. विनोद साहू, डॉ. पद्मावती, डॉ. मीता चक्रवर्ती, डॉ. पूर्णा बोस, डॉ. सीतेश्वरी चन्द्राकर, डॉ.रीना साहू, डॉ. निधि शर्मा, डॉ. शोभा रानी, डॉ. दीपिका यादव, डॉ. रेखा गुप्ता एवं प्रोफेसर सीताराम देवांगन आदि का विशेष सहयोग रहा। भूतपूर्व विद्यार्थियों द्वारा फीडबैक फार्म भरे जाने के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

<u>प्रति,</u>

संपादक/ब्यूरो चीफ
दैनिक .....दुर्ग

इस निवेदन के साथ कि कृपया इसे जनहित में समाचार के रूप में प्रकाशित करने का कश्ट करें।

प्राचार्य
शास.वि.या.ता.स्नात.स्वशासी महावि.
दुर्ग (छ.ग.)

Y.T. P.G. AUTONOMOUS COLLEGE
DURG (C.G.)

OMOUS COLLEGE